



| संख्या | विषय | पृष्ठांक |
|--------|------|----------|
|--------|------|----------|

|   |                                      |    |
|---|--------------------------------------|----|
| १ | श्री चौबीस जिन स्तवन २४              | १  |
| २ | श्री नवकार ( १०८ गुणों के नाम सहित ) | २५ |
| ३ | सामायक लेशे की पाटी                  | २८ |
| ४ | सामायक पारशे की पाटी                 | २९ |
| ५ | तिक्लुता की पाटी                     | २९ |
| ६ | पंच पद बंदगा                         | २९ |
| ७ | पच्चीस बोल                           | ३२ |
| ८ | चौरासी लाख योनि                      | ४८ |



|    |  |     |
|----|--|-----|
| २६ | जीवा तू तो भोलो रे की ढाल                    | ८८  |
| २७ | थौबन धन पावणा कौ ढाल                         | ९२  |
| २८ | उपदेश पच्चीसी                                | ९३  |
| २९ | सुगुरु पच्चीसी                               | ९६  |
| ३० | कुगुरु पच्चीसी                               | ९९  |
| ३१ | स्त्री चरित्र की ढाल                         | १०१ |
| ३२ | सुदर्शन सेठ के बखान की ढाल ३ २ वीं           | १०६ |
| ३३ | ” ” ३३ वीं                                   | १०८ |
| ३४ | ” ” ३६ वीं                                   | ११२ |
| ३५ | पाना कौ चरचा                                 | ११५ |
| ३६ | प्रतिक्रमण                                   | १५३ |
| ३७ | चार निक्षेपां रौ चौपाई ढाल १ ली              | १८६ |
|    | ” ” दूजी                                     | १९२ |
|    | ” ” तीजी                                     | १९४ |
|    | ” ” चौथी                                     | २०३ |
|    | ” ” ५ वीं                                    | २१२ |
|    | ” ” ६ ठी                                     | २१७ |
| ३८ | हिम नवरसे की ढाल ७ मी                        | २२८ |
| ३९ | श्री पूज्य यह विनय है फिर शीघ्र<br>दर्श देना | २३२ |